Bihar Board Class 7 Social Science Geography Notes Chapter 9 मानव पर्यावरण अंतःक्रिया : थार प्रदेश में जन-जीवन

पाठ का सार संक्षेप

राजस्थान और गुजरात राज्यों के पश्चिम में थार का मरुस्थल है। जहाँ तक नजर जाती है वहाँ तक बाल-बाल ही दिखाई पड़ता है। बीच-बीच में अरावली की पहाड़ियाँ और जहाँ-तहाँ बालू के टिब्बे मिलते हैं। पूरा क्षेत्र शुष्क और गर्म है । दिन में प्राय: बालू भरी आँधियाँ चलती हैं और रात में तापमान काफी नीचे चला जाता है । वर्षा नहीं होती और होती भी है तो नाममात्र की (वार्षिक 25 सेमी से भी कम) । दिन की गर्मी और रात में जाड़े से बचने के लिए काफी वस्त्र की आवश्यकता पड़ती है ।

पेड़-पौधे नहीं मिलते । मिलते भी हैं तो कंटीली झाड़ियाँ, बबूल, नागफनी आदि के रूप में । खजूर भी उपजता है। जहाँ-तहाँ मरुद्यान हैं, जहाँ कुछ हरियाली दिखाई पड़ती है। यहाँ जहाँ-तहाँ बलई मिट्टी मिलती है, जिसमें बाजरा, जौ और जई जैसे अनाज उपजाए जाते. हैं । जहाँ सिंचाई की सुविधा है, वहाँ गेहूँ, मकई, दलहन और सब्जियों की खेती होती है। यहाँ के लोगों का मुख्य भोजन बाजरे की रोटी है। ऊँट इनकी मुख्य सवारी है । हालाँकि यहाँ के लोग भेड़ भी पालते हैं । ऊँट कंटीली झाड़ियाँ

और बबूल की टहनियाँ आराम से खा लेते हैं । ऊँटनी के दूध का उपयोग होता है। जहाँ-जहाँ बावड़ी या कुएँ मिलते हैं, उन्हीं के आसपास आबादी पाई जाती है। मरुद्यानों से पानी ढोकर लाया जाता है । जैसलमेर जैसे नगरों में टैंकर से पानी पहुँचाया जाता है । यहाँ के लोग पानी का उपयोग काफी सावध नी से करते हैं।

थार प्रदेश में जिप्सम, संगमरमर, छींटेदार इमारती पत्थर, लिग्नाइट कोयला, ताँबा, अभ्रख, नमक आदि मिलते हैं । संगमरमर और लाह की मूर्तियाँ. चूड़ियाँ, हाथी-दाँत की वस्तुओं पर नक्काशी, कपड़ों की रंगाई और छपाई इनका मुख्य व्यवसाय है।

जीवन-यापन की कमी के कारण जनसंख्या अत्यन्त विरल है। मुख्य नगर बिकानेर, जैसलमेर, बाड़मेड़, जोधपुर आदि है । पानी की कमी को दूर करने के लिए सतलज नदी पर बाँध बना कर इन्दिरा गाँधी नहर बनाई गई है। इसे राजस्थान नहर भी कहा जाता है । इस नहर के बन जाने से पानी की कमी दूर हुई है और गहन कृषि होने से हरियाली भी दिखाई देती है । थार रेगिस्तान को देखने और ऊँट की सवारी करने के लिये देशी-विदेशी सैलानियों का तांता लगा रहता है।

https://www.evidyarthi.in/